ज़िन्दगी ही नशा है

"खुद वो बदलाव बनिए जो आप दूसरों मे देखना चाहते हो।"

महात्मा गांधी द्वारा बोले वचन कितने सही हैं। इस कल-युग मे तो ये ही सच्चाई है। जिंदगी सिर्फ एक वाक्य है लेकिन इसके अर्थ मे जाए तो असीमित वाणी है। आखिर जिंदगी होती क्या है?

इसके अर्थ को समझे तो यह 'जीवन' है। अनादि काल से ही सभी इस जीवन के लिए ही लड़ते आए है। यह धरती निर्माणित हुई है लेकिन पहचान जीवन से बनी। देवी-देवता और असुरों मे लड़ाई किस लिए होती थी? क्योंकि वे अपनी ज़िंदगी निरंतर जीना चाहते थे, अमर रहना चाहते थे। इसके सबसे बडे उदाहरण है रावण और कंस। कृष्णलीला मे अपनी मृत्यु से बचने के लिए कंस ने कई लीलाएँ की परंतु आखिर मे मृत्यु ने उसको गले लगा लिया। अमर होने के चक्कर मे उसने अपनी ज़िंदगी मे सिर्फ डर ही डर पाया।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

सभी के लिए जिंदगी का मतलब एक ही नहीं होता। पहले लोग जैसे की राजा - महाराजा सिंहासन और प्रजा के लिए जीते थे, कोई अपने माँ-बाप के लिए, तो कोई अपनी माँ, बहन, बेटी या बेटा आदि के लिए जीते हैं। दुनिया में ऐसे भी लोग हैं जो पैसों, लालच और ताकत के लिए जीते हैं।

परंतु, आज की बात करें तो किसी को अपनी ज़िंदगी की परवाह नहीं। आज के युग में ज़िंदगी तो सिर्फ एक खेल बन गया। कई लोग अनेक ज़िंदगियों से खेलते हैं। हाल ही में दिल्ली में रहनेवाली मशहूर अभिनेत्री तुनिषा शर्मा, जिन्होंने कई सीरियल में काम किया है उन्होंने अपने मेकअप रूम में फाँसी लगाकर अपने प्राण ले लिए। इसका कारण उनके प्रेम में अनबंध के कारण। मानसिक तनाव ने उन्होंने उनसे अपनी कामयाब, हँसती-खेलती ज़िंदगी छीन ली। ऐसे कई लोगों ने अपने ज़िंदगी दी अन्य उनमें से सुशांत सिंह राजपूत भी थे।

"अनुशासन सिर्फ सैनिक के लिए नहीं होता, परंतु जीवन के हर क्षेत्र के लिए होता है।"

नेहरूजी द्वारा बोले ये शब्द नहीं, सच्चाई है। प्राचीनकाल मे लोग अपने राज्य के लिए जान कुर्बान कर देते थे। लक्ष्मीबाई, सबसे बडी वीरांगना उन्होंने अपनी ज़िंदगी झाँसी को कुर्बान की थी। महात्मा गांधी, लाल बहादुर सिंह, टीप्पु सुल्तान आदि अनेक स्वतंत्रत सेनानी। पहले ज़िंदगी का महत्त्व था लेकिन अब तेज़ी से यह एक खेल का रूप ले रहा है। अब तो लोग अपने खास माँ-बाप की ही हत्या कर देते है सिर्फ जायदाद पाने के लिए। वे उनसे ज़िदगी छीन लेते है जिन्होंने उन्हें जिन्दगी दी।

जिन्दगी एक नशा ही है। नशे मे लोग अपने आप को ही भूल जाते है। नशे एक बार लत लग जाए तो वह छूटती नहीं। उसी प्रकार ज़िंदगी जब मज़ेदार लगती है तो मौत का खौफ होता है।

जिंदगी को डर-डर के जीनेवाले कायर होते है,
इसे खुलकर जीनेवाले शायर होते है।

बच्चे-बूढ़ों को अब अपनी जिंदगी से कोई लगाव नहीं है। इसका एक उदाहरण दिल्ली के फरीदकोट मे एक वायरल वीडियो सामने आया जिसमे एक माँ अपने 10 वर्षीय बेटे के पास विलाप कर रही थी। वह बच्चा मर चुका था। ज्यादा नशा करने से उसकी मृत्यु हो गई। हैरानी इस बात की है कि एक छोटे बच्चे ने नशे जैसे खौफनाक और खतरनाक बीमारी मे आकर अपनी जिन्दगी बर्बाद कर दी।

"भारत का उजियाला भविष्य, युवा का तीव्र दिमाग है।"

अब्दुल कलामजी बोली कहावत है यह। अगर ऐसा ही चलता रहा तो भारत विकसित कैसे होगा? क्या इसी कारण भारत अन्य देशो से पीछे है?

लोग अपनी ही जिंदगी से ही नहीं लेते बल्कि दूसरो की ज़िंदगी से भी खेलते है। सबसे बड़ा उदाहरण है 2022 मे घटित घटना जिसमें श्रद्धा नामक एक लड़की जिसने जो मात्रहीन थी जिसने भागकर एक मुसलमान, अफताब नाम युवक से

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 948 Participant Code: 104

शादी कर ली। उस लड़की ने न अपनी अपने बाप का सोचा न ही अपनी जिंदगी का। उसकी शादी के बाद अफताब कुछ महीनों में ही अफताब ने श्रद्धा को पैंतीस टुकड़ो में काटकर एक जंगल मे फैंक दिया। ऐसी खबर सुनकर तो ~~सैंकटे ख~~ रौंखटे खडे हो गए तो उसके बाप पर क्या बीती होगी। अफताब नामक उस व्यक्ति ने श्रद्धा का उपयोग किया और उसे फैंक दिया।

"गाए, बोले, खेले, हरत सबो प्राण,
कहै कबीर या घात, समझ संत सुजान।"

इस दोहे मे कबीरदासजी स्त्री जीवन के महत्व के बारे मे बताते है। मर्द स्त्रीयो के जीवन से खूब खेलते है। 2012 का निर्भाया केस जिसमें 6 जल्लादों ने एक लडकी का रेप किया था। किसी ने उस मासूम सी ज़िंदगी के बारे ~~आ~~ नहीं सोचा।

"जिंदगी एक माया जाल है
सपनों सी गहरी बाल है
मजेदार तो लगती दाल है
किंतु कई लोग इससे बेहाल है।"

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

"सूरज की तरह चमकना हो तो, पहले सूरज की तरह जलना सीखो।"

कलामजी ने ~~एक~~ यह वाक्य अपने ~~आत्मकथा मे~~ एक भाषण मे बोले थे ताकि विद्यार्थियों की उम्मीद जाग उठे। बच्चे मन के सच्चे और दिल के अच्छे होते है। उन्हें पता नहीं होता की उन्हे करना क्या होता है। यह सभी युवाओं की समस्या है कि उन्हें पता नहीं उनकी ज़िन्दगी का क्या लक्ष्य है।

एक दिन अब्दुल कलाम जी उद्घाटन के दौरान गुजरात के एक विद्यालय मे गए थे। तब जब उनका भाषण समाप्त हुआ तो समय न होने के कारण उन्होंने 5-6 विद्यार्थियो से अपने विचार या प्रश्न पूछने को कहा। तब उनमे से एक गाँव के लड़के ने कहा था कि उसे ज्ञात नहीं है कि वह इंजीनियर कैसे बने और अपनी ~~स्कूली शिक्षा मे अपने डर के~~ ~~कार~~ शिक्षिका से वह कभी नहीं पूँछ पाया। उसने बोला अपनी स्कूली ~~शि~~ शिक्षा मे वह कभी अपने डर को भगा नहीं पाया। तब कलाम ने सुंदर सा जवाब दिया। अगर जिंदगी खुलकर जीनी है तो पहले अपने

डर को भिन्न करना होगा। जीवन मे कुछ और बनने से पहले आपका पहला लक्ष्य यह होना चाहिए कि आप सबसे विभिन्न और नेक बनें।

"काल करै सो आज कर, आज करै सो अब,
पल मे परलय होएगी, बहुरि करेगो कब।।"

कबीरदासजी यहाँ जीवन मे समय के महत्व के बारे मे बताते है। समय दिखता नही लेकिन वह सब कुछ दिखा देता है। ज़िंदगी के हर मोड पर मुमकिन नहीं कि हमारे माता-पिता या कोई और हमारे साथ हो। हर मोड, हर कदम पर सिर्फ अपने-आप का ही साथ मिलता है। जिंदगी प्यारी तभी होती है जब हम अपने-आप को प्यारे लगते हो।

जीवन केरल मे बनाई जाती 'साम्बर' जैसी सब्ज़ी है। इस सब्ज़ी मे सभी तरह की सब्ज़ी डाली जाती है और अत्यंत स्वादिष्ट होती है। उसी प्रकार हमारे जीवन मे कई ऊपर-नीचे पडाव आएंगे, अगर हम उनको अपनी क्षमता, प्यार, मेहनत आदि से आगे बढ़ेंगे तो ज़िदगी का मज़ा अलग ही होगा।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

"ऐसी वाणी बोलिये, मन का आपा खोवै,
औरन को सुख पहुँचाए, मन शीतल करै।"
जिन्दगी मे कभी भी अहंकार और से नहीं जीना चाहिए।
हमेशा तन-मन से मीठी वाणी होनी चाहिए। इंतज़ार का फल उतना होता है जो ~~क~~ मेहनत करनेवाले पीछे छोड जाते है। जीवन मे सपने वो देखो जो आपको सोने नहीं देते वो नहीं जो आप सोते समय देखते हो।

हाल ही मे आई महामारी, कोरोना वायरस ने पूरे दुनिया को हिला कर रख दिया था। कई लोगों की मृत्यु हो गई, ~~बे~~ बेघर हो गए, यतीम हो गए, ~~अन~~ कई बच्चे अनाथ हो गए। परंतु जिन्होंने इस बीमारी मे भी अपने साहस के साथ लड़े और सभी परेशानियो को मात दी वे ही सच्चे योद्धा है। डॉक्टर, पुलिसकर्मी आदि लोगो ने दूसरों को जिन्दगी दी।
हम जितना ही जीवन को समझेंगे वो उतनी ही उलझती जाएगी। जैसे हम अपने सिर के बाल और आसमान के तारे नहीं गिन सकते उसी तरह जिन्दगी के अलग-अलग अर्थ नहीं समझ सकते। जितना इसे सुलझाएँगे उतनी ही उलझती जाएगी।

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 948 Participant Code: 104

जिन्दगी इस तरह जियो जैसे आज ही आप का अंत हो। जीवन का महत्व जानना है तो उनके पास जाइए जो कैंसर जैसी बीमारी के आखिरी स्टेज मे होते है और जीवन के सिर्फ कुछ पल बाकी होते है। जीवन का महत्व उनसे पूछो जो देश के लिए अपनी जान हथेली पर रखकर बॉर्डर पर खडे है। जिन्दगी एक नशा ही है, जीना है तो सदाचार से जीओ नहीं तो आपको बना देगी लाचार।

पहले भारत के कई गाँवों मे छोटी-छोटी बच्चियो की जान ले ली जाती थी। दुनिया मे आने से पहले ही उन्हे स्वर्ग का रास्ता दिखा दिया जाता था। यह सब लैंगिक असमानता के कारण था। मेरी राय यह है कि भगवान सभी को एक जीवन देता है और उसे हमे खुलकर जीना चाहिए।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)